

8/8/24 पत्राचार नंबर 257 व मुलाम 320

अध्याय अल्प लाम खुली जाकर उभय
पथा का पाठान्त किया जावा है कि
अन्य व्यापारों के साक्षर व संप्रभाषित
रहने हुए रामायण भाग विचार के
अंतरा संख्या 269, 206, व 307 की
रामायण संख्या की संप्रभाषित व्यापार
रखी जावे। पत्राचार के अन्तर्गत संमा ही
नम्बर से अन्त ही सब संमा व अन्त के अन्त
बताई है।

सहायक कलक्टर एवं
उपखण्ड अधिकारी
बीवाड शहर (जोधपुर)